लघुशोध प्रबंध का संक्षेपण

(Summary of Minor Research Project)

"स्थानिय स्वशासन विशेषतः ग्राम पंचायतों मे महिला प्रतिनिधीओं की राजनैतिक सहभागीता का विश्लेषनात्मक अध्ययन" (गोंदिया जिले की तिरोडा तहसिल के विशेष संदर्भ मे)

*** संशोधक ***

श्री.हरिश्चंद्र प्रेमलाल पारधी

सहयोगी प्राध्यापक (राजनिती विज्ञान)

न.मा.द. महाविद्यालय, गोंदिया.

वर्तमान युग लोकतांत्रिक शासनप्रणाली का युग है । राज्य को कल्याणकारी शासन का स्वरुप देणे का प्रयास किया जा रहा है । इसलिए शासन व्यवस्था में नागरिकों की राजनैतिक सहभागीता भी बढ रही है । समाज के निम्न वर्ग के लोग विशेषतः महिलांओं को राजनैतिक प्रक्रीया मे सम्मिलीत करके लोकतांत्रीक शासन प्रणाली को अधिक सुदृढ बनाने का प्रयास किया जा रहा है ।

प्रत्येक समाज में सभ्यता का मापदंड इस बात से निश्चित किया जाता है की, उस समाज में महिलाओं की स्थिती कैसी है ? क्या उन्हे वे अधिकार प्राप्त है, जिससे वह अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकती है ? क्या समाज में महिलाएँ आत्मनिर्भर है ? यह सारी बाते है जिससे हम किसी भी समाज का मूल्यांकन कर सकते है । इस संदर्भ में हम स्व. पंतप्रधान श्री.पी.व्ही. नरसिम्हारावजी के काफी आभारी है जिनके शासन काल मे सन १९९३ मे "७३ वा संविधान संशोधन अधिनियम" पारीत किया गया । इस अधिनियम द्वारा स्थानिक स्वराज्य संस्थाओ में महिलाओ के लिए ३३ प्रतिशत स्थान आरक्षित किए गए । महाराष्ट्र सरकार ने इस आरक्षण को बढाकर सन २०१० में ५० प्रतिशत कर दिया है । महिलाओं के संदर्भ में प्रगतिशील और उदारवादी नितीओ को अपनाने वाला महाराष्ट्र देश का प्रथम राज्य है । ७३ वे संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करते हुए महिलाओं की राजनैतिक सत्ता मे भागीदारी निश्चित की गयी है । सरकार का यह कदम काफी क्रांतिकारी सिध्द हुआ है । क्योकी अनेक शताब्दिओं से राजनैतिक सत्ता से वंचित रहनेवाली महिलाएँ राजनिती के केंन्द्र स्थान पर आ गई है । सरकार की इस निती से महिलाओ का राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रुप से काफी सशक्तिकरण हुआ है । परंतु कुछ समस्याऐ है जो आज भी यथावत बनी है उन समस्याओं पर विचार प्रस्तुत शोध निबंध में किया गया है ।

प्रकरण - १) प्रस्तावना :-

प्रस्तूत प्रकरण मे लघुशोध प्रबंध की रुपरेखा संक्षेप में स्पष्ट करणे का प्रयास किया गया है । महिलांओं की मतदान प्रक्रीया में मतदाता के रुप में राजनैतिक सहभागीता कितनी है । इस बात का

http://www.nmdcgondia.org/mrpfile/Harishchandra_Pardhi.pdf

अध्ययन इस प्रकरण में किया गया है । तिरोडा विधानसभा मतदार संघ की जानकारी, पंचायत राज एंव महिला सशक्तिकरण का अध्ययन प्रस्तूत प्रकरण में करणे का प्रयास किया गया है । विषय के संदर्भ में पूर्व अनूसंधान (Review of Literature) का भी अध्ययन प्रस्तूत प्रकरण में किया गया है ।

प्रकरण - २) अनुसंधान पध्दती (Research of Methodology) :-

इस लघुशोध प्रबंध का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान प्रारुप के रुप में अन्वेषनात्मक अथवा परिचयात्मक अनुसंधान प्रारुप (Exploratory Or Formulative Research Design) और वर्णनात्मक अनुसंधान प्रारुप (Descriptive Research Design) इन दोनो अनुसंधान प्रारुपो का संयुक्त रुप से उपयोग किया गया है । अन्वेशनात्मक अनुसंधान प्रारुप में प्राकल्पनाओं का परिक्षण तत्कालीन स्थिती के संदर्भ में किया जाता है । इस प्रारुप में साहित्य सर्वेक्षण और अनुभव सर्वेक्षण की ज्यादा सुविधा होने के कारण तथ्यो का संकलन ज्यादा अच्छी तरह से हो सकता है । वर्णनात्मक प्रारुप में तथ्यो की विशेषताओं का वर्णन सही और वस्तूनिष्ठ तरिके से किया जा सकता है । प्रस्तूत अनुसंधान की उत्तरदाती महिलाऐ तिरोडा तहसील के विभीन्न ग्रामो मे रहनेवाली होने के कारण उनके अध्ययन के लिए उपरोक्त दोनो अनुसंधान प्रारुप विशेष लाभदायी सिध्द होंगे ।

प्रकरण - ३) महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पार्श्वभूमी :-

प्रस्तूत प्रकरण में प्रतिदर्शन में चयनीत महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक पार्श्वभूमी को जानने का प्रयास किया गया है । इसके लिए साक्षात्कार सूची द्वारा उत्तरदाता महिलाओं को विभिन्न प्रश्न पुछे गये थे । इन सभी प्रश्नों द्वारा महिला उत्तरदाताओं की मातृभाषा, धर्म, वैवाहिक स्थिती, आयु, जाति का स्वरुप आदि. के संदर्भ मे तथ्यों का संकलन किया गया है ।

प्रकरण - ४) महिला उत्तरदाताओं की राजनैतिक चेतना :-

प्रस्तूत प्रकरण में स्थानिक स्वशासन में विशेषतः ग्रामपंचायतो में महिला प्रतिनिधीओं की और अन्य महिलाओं की राजनैतिक चेतनाशक्ती कैसी है ? उनके राजनैतिक चेतना का स्वरुप और स्तर क्या है ? आदि. घटको की चर्चा की गई है ।

प्रकरण : ५) महिला उत्तरदाताओं की राजनैतिक सहभागीता :-

प्रस्तुत प्रकरण में महिला उत्तरदाताओं की राजनैतिक सहभागिता किस प्रकार की है ? उनकी राजनैतिक सहभागितापर कौनकौन से कारक प्रभाव डालते है ? उनकी राजनैतिक सहभागिता की समस्याऐं कौनसी है ? उनकी राजनैतिक सहभागिता पर उनकी शिक्षा और आर्थिक स्थिती का कैसा प्रभाव पडता है ? आदि. कारको का अध्ययन प्रस्तूत प्रकरण में किया गया है ।

प्रकरण - ६) महिला उत्तरदाताओं का नेतृत्व :-

प्रस्तुत प्रकरण में ग्रामपंचायतों की महिला प्रतिनिधीओं एवं सामान्य महिलाओं में किस तरह का नेतृत्व विकसीत हो रहा है ? महिलाऐं नेतृत्व करने में सफल हो रही है या असफल हो रही है ? विशेष कर ग्रामपंचायतों में जो महिलाऐं सरपंच या उपसरपंच के पद पर कार्य कर रही है उनकी समस्याऐं क्या है ? वे अपने निर्णय अपनी मर्जीसे ले सकते है या नही ? उनके राजनैतिक निर्णयों पर किस का दबाव रहता है ? गांव के लिए कार्य करते हुए वे कैसा महसूस करती है ? आदि. प्रश्न

http://www.nmdcgondia.org/mrpfile/Harishchandra_Pardhi.pdf

महिला उततरदाताओं को पुछे गए थे । इन प्रश्नों के प्राप्त उत्तरों का विश्लेषण तथा निर्वचन निम्नलिखित प्रकरण मे किया गया है ।

प्रकरण - ७) महिलाओं के लिए संविधानात्मक व्यवस्थाऐ :-

प्रस्तुत प्रकरण में तिरोडा तहसिल की ग्रामपंचायतों में प्रतिनिधीत्व कर रही महिलाओं के संदर्भ में संविधानात्मक व्यवस्था का याने स्थानिय स्वशासन में महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत राजनैतिक आरक्षण का महिलाओं की राजनैतिक सहभागीता पर क्या प्रभाव पडा है ? इन संविधानात्मक व्यवस्था के कारण महिलाओं की राजनैतिक सहभागीता सच में बढी है क्या ? आदि प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास इस अध्ययन के द्वारा किया गया है ।

प्रकरण - ८) निष्कर्ष और सुझाव :-

प्रस्तुत अनुसंधान गोंदिया जिले की तिरोडा तहसिल की ग्रामपंचायतों मे राजनैतिक पदों पर कार्य करनेवाली और सामान्य महिलाओं के संदर्भ में है । प्रस्तुत अध्ययन के प्रतिदर्शन में तिरोडा तहसिल की २५ ग्रामपंचायतों की १५० महिला उत्तरदाता का चयन किया गया है प्रस्तुत अध्ययन में तिरोडा तहसिल की २५ ग्रामपंचायतों की महिला उत्तरदाताओं का राजनैतिक विश्लेषणात्मक अध्यन करने के लिए उनकी वैयक्तीक, सामाजिक, आर्थिक, उनकी राजनैतिक चेतना, राजनैतिक सहभागीता, राजनैतिक नेतृत्व, महिलाओं के लिए संविधानीक व्यवस्थाऐं आदि. के संदर्भ में प्राप्त हुए तथ्यों का शास्त्रीय पध्दती से विश्लेषण एवं निर्वचन कर के इस अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष निकाले गए है ।

H. Pardhi

SIGNATURE OF PRINCIPALINVESTIGATOR

PRINCIPAL

(Seal)

Principal
G.M.D. College, GONDIA

http://www.nmdcgondia.org/mrpfile/Harishchandra_Pardhi.pdf